Model: Love-Horoscope

Order No: 120929001

Model: Love-Horoscope

Order No: 120929001 Date: 14/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/01/2026	जन्म तिथि	14/01/2026
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 13:32:00	जन्म समय	13:32:00 घंटे
घटी 15:41:32	जन्म समय(घटी)	15:41:32 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:23	सूर्योदय	07:15:23
17:45:15	सूर्यास्त	17:45:15
24:13:21	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:21

वृष	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृश्चिक	राशि	वृश्चिक
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
अनुराधा	नक्षत्र	अनुराधा
शनि	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	2
गण्ड	योग	गण्ड
बालव	करण	बालव
नी-नीरज	जन्म नामाक्षर	नी-निष्ठा
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	कीटक
मृग	योनि	मृग
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 9वर्ष 6मा 17दि	00:27:50	वृष	लग्न	वृष	00:27:50	शनि 9वर्ष 6मा 17दि
शनि	29:55:58	धनु	सूर्य	धनु	29:55:58	शनि
14/01/2026	09:57:56	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	09:57:56	14/01/2026
03/08/2035	28:44:32	धनु	मंगल	धनु	28:44:32	03/08/2035
00/00/0000	25:19:56	धनु	बुध	धनु	25:19:56	00/00/0000
00/00/0000	25:21:01	मिथु व	गुरु व	मिथु	25:21:01	00/00/0000
14/01/2026	01:45:33	मक	शुक्र	मक	01:45:33	14/01/2026
शुक्र 25/07/2026	02:51:14	मीन	शनि	मीन	02:51:14	शुक्र 25/07/2026
सूर्य 07/07/2027	15:53:21	कुंभ व	राहु व	कुंभ	15:53:21	सूर्य 07/07/2027
चन्द्र 04/02/2029	15:53:21	सिंह व	केतु व	सिंह	15:53:21	चन्द्र 04/02/2029
मंगल 16/03/2030	03:25:25	वृष व	हर्ष व	वृष	03:25:25	मंगल 16/03/2030
राहु 20/01/2033	05:29:52	मीन	नेप	मीन	05:29:52	राहु 20/01/2033
गुरु 03/08/2035	08:54:35	मक	प्लूटो	मक	08:54:35	गुरु 03/08/2035

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

24:13:21 चित्रपक्षीय अयनांश 24:13:21

लग्न-चलित

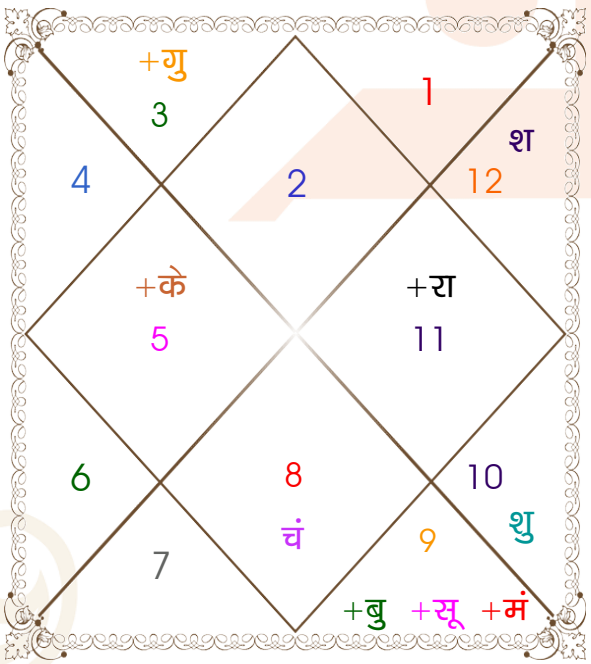

लग्न-चलित

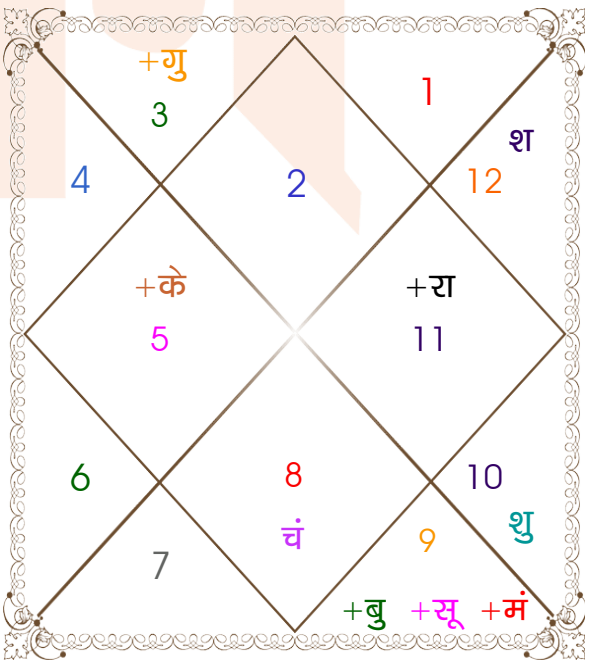

Future Point Pvt. Ltd.
A-3, Ring Road, South Ex Part 1 New Delhi - 110049
7401508000
narayan.sahani@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

कुल : **28 / 36**

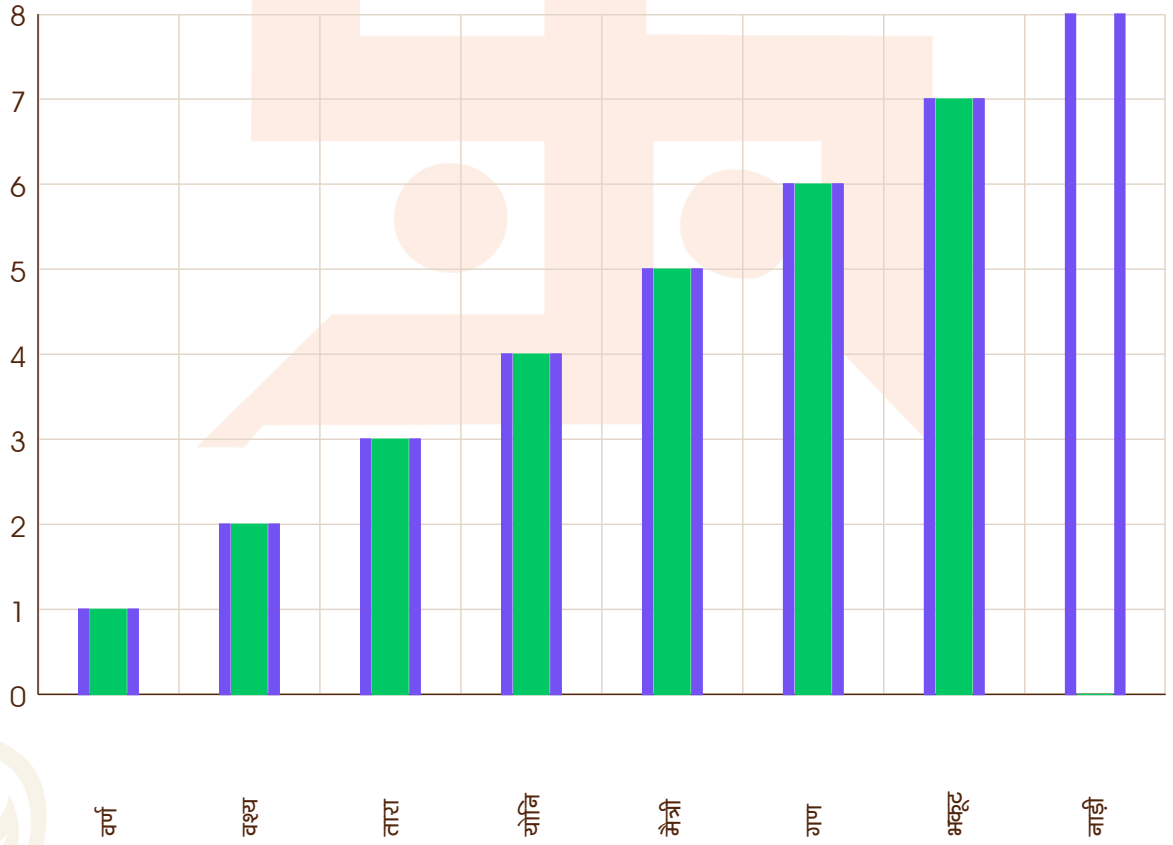

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

Mr. का वश्य कीट है एवं Ms. का वश्य भी कीट है। अर्थात दोनों का वश्य समान है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। । दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार तथा पसंद/नापसंद एक जैसे होंगे। पति-पत्नी के बीच अगाध प्रेम बना रहेगा। फिर भी दोनों को डंक मारने की आदत बनी रह सकती है। यदा-कदा दोनों के बीच घमासान लड़ाई भी हो सकती है तथा ये एक-दूसरे को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। अधिकतर समय ये कर्त्तव्यपरायण एवं जिम्मेवार प्रवृत्ति के होंगे तथा इनमें आपसी समझ एवं सद्भाव का बाहुल्य बना रहेगा। इनके बच्चे थोड़े आक्रामक किंतु आज्ञाकारी एवं कर्त्तव्यपरायण होंगे।

तारा

Mr. की तारा जन्म तथा Ms. की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr. की योनि मृग है तथा Ms. की योनि भी मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr. का गण देव तथा Ms. का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr. एवं Ms. दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Mr. एवं Ms. तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी मध्य है तथा Ms. की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Mr. एवं Ms. का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. और Ms. की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबंध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr. और Ms. की राशि का स्वामी मंगल है। अतः Mr. और Ms. के मध्य मित्रता पूर्वक संबध स्थापित रहेंगे। वे एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा गलतियों के प्रति क्षमाशीलता का दृष्टिकोण रहेगा। इससे वे दोनों सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। वे एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा एवं सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इससे वैवाहिक जीवन में अप्रिय स्थितियों से हमेशा सुरक्षित रहेंगे।

Mr. और Ms. की राशियां परस्पर प्रथम-प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr. और Ms. एक दूसरे के आस्तित्व को सम्मान पूर्वक स्वीकार करेंगे तथा दैनिक जीवन में एक दूसरे के कार्यो में हस्तक्षेप कम ही करेंगे। अपनी इस प्रवृति से उनके दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना से सुख शांति पूर्वक अपना सुखी वैवाहिक जीवन का उपभोग करेंगे।

Mr. एवं Ms. दोनों का वश्य कीट है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी समर्थ रहेंगे।

Mr. एवं Ms. दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी प्रवृति शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो के प्रति रहेगी तथा कार्य क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार कार्य क्षमता में समानता के कारण किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा ।

धन

Mr. और Ms. का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr. और Ms. सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr. को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. और Ms. एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से Mr. और Ms. असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए Ms. को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी Ms. को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी Ms. के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में

न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms. का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

Mr. के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि Mr. तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से Mr. के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।

लग्न फल

Mr.

आपका जन्म वृष लग्न की आकृति में जिस समय हुआ था। उस समय कृतिका नक्षत्र के द्वितीय पाद से मकर राशि के नवमांश एवं वृष राशि का देष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप एक भाग्यशाली प्राणी है तथा अपना सुखमय एवं सांसारिक विलासप्रिय जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगे। यह विश्वसनीय है कि आप बिना किसी का सहारा लिए ही शीघ्रता पूर्वक अपना कार्य संपन्न करेंगे। परंतु आपका सभी कार्य भली प्रकार तब ही संपादित होगा जब कि आप अपना कार्य समय पर संपादन करेंगे। ऐसा कथन है कि धीरे-धीरे भी अपनी रीति से सतत कार्यरत रहकर ही दौड़ में अर्थात् जमाने की होड़ में सफल हो सकते हैं।

आप उत्तम प्रकार के भोजन करने वाले हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप पेटू (अति भोजनकर्त्ता) हैं। आप मात्र स्वादिष्ट व्यंजनों के ही भोज्य प्राप्त नहीं करते बल्कि आप सदैव ही दूसरों को भी उत्तम प्रकार के भोज्य सामग्री का आदान-प्रदान करते हैं।

आप सदैव अपने संबंधित मित्रों को पहले ही यह दिखाना चाहते हैं कि मेरा जीवन साथी आकर्षक है। यद्यपि प्रमाणित है कि आप अपनी पत्नी से बहुत अधिक और अच्छी प्रकार संलग्न है। तथापि आपका चरित्र संदेहास्पद है। आप किसी अन्य के साथ चालाकी से प्रेम संबंध कर सकते तथा आप प्रसन्न रहोगे। आज तक आपका पारिवारिक जीवन बहुत उत्तम है, क्योंकि आप अपने परिवार पर पूर्ण रूपेण ध्यान देते हैं तथा आप उन्हें अत्यधिक प्रेम संपर्क में रखते हैं। आप शांति पूर्वक आनंददायक घरेलू जीवन बिताना चाहते हैं।

परंतु धन के प्रति आपका विशेष (लोभ) प्यार है एवं चिंतन करते हैं। आप चाहते है कि आपके कोष में बहुत धन हो और ऐसा कर भी सकते हैं। आप कदापि धन का अपव्यय नहीं करते क्योंकि आपकी प्रवृत्ति कृपण जैसी है आप धन का मूल्य (महत्व) जानते हैं। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि आप असंयमित नहीं है और अपव्यय भी नही करते तथा जीवन पर्यंत धन संचय करेंगे।

आप मध्यम कद के कुछ-कुछ गोल-मोल मोटी गर्दन तथा चौड़ी एवं उन्नत ललाट से युक्त है। आप गौरवर्ण के हैं। आप स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आपको गले के संक्रमण रोग एवं कंठ रोग के प्रति सतर्कता पूर्ण रक्षण करना चाहिए।

आपकी आयु वृद्धि के साथ कब्जियत एवं अतिरिक्त प्रवाह रोग से आप दुःखी रहेंगे। आप किसी भी प्रकार की अत्यधिकता पूर्ण आकांक्षाओं के प्रति सचेत रहकर, एवं जीवनचर्या की उस प्रवृत्ति को परिवर्तित कर अपना स्वास्थ्य पूर्ण जीवन के नियमों का अनुपालन कर आगे की जिंदगी को सुखी रखने की प्रवृत्ति का प्रारंभ करेंगे।

वृष राशीय प्रभाव से आपका पारिवारिक जीवन शांति प्रिय एवं सुखी रहेगा।

आपको कन्या, कर्क, मीन, वृश्चिक एवं मकर जलीय राशि के व्यक्ति के साथ संपर्क रखना अनुकूल है।

आपके लिए अनुकूल कर्म क्षेत्र विस्तृत है। आप किसी कार्य व्यवसाय का चयन अपने लिए कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विलासिता संबंधी व्यवसाय, सिनेमा, ट्रांसपोर्ट, जल रानी, अर्थात् जलीय वैदेशिक व्यवसाय, खनिज एवं भवन निर्माण संबंधी ठेकेदारी ईंट, तांबा एवं लौह व्यवसाय, तकनीकी कार्य अभियांत्रिक अथवा प्रशासनिक सेवा से संबंधित कार्य एवं फिल्म में भूमिका आदाकारी अथवा गुप्तचर विभाग की सेवा से संलग्न हो सकते हैं।

आपके लिए अनुकूल एवं उन्नतिकारक अंक 2 एवं 8 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 7 एवं 9 अंक आपके लिए आकर्षक अंक है। अंक 1, 3 एवं 4 अंक भी आपके लिए अनुकूलता दायक है। परंतु अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग, उजला हरा एवं गुलाबी रंग है। आपके लिए लाल रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा त्यागनीय है।

Ms.

आपका जन्म वृष लग्न की आकृति में जिस समय हुआ था। उस समय कृतिका नक्षत्र के द्वितीय पाद से मकर राशि के नवमांश एवं वृष राशि का देष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप एक भाग्यशाली प्राणी है तथा अपना सुखमय एवं सांसारिक विलासप्रिय जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगी। यह विश्वसनीय है कि आप बिना किसी का सहारा लिए ही शीघ्रता पूर्वक अपना कार्य संपन्न करेंगी। परंतु आपका सभी कार्य भली प्रकार तब ही संपादित होगा जब कि आप अपना कार्य समय पर संपादन करेंगी। ऐसा कथन है कि धीरे-धीरे भी अपनी रीति से सतत कार्यरत रहकर ही दौड़ में अर्थात् जमाने की होड़ में सफल हो सकती हैं।

आप उत्तम प्रकार के भोजन करने वाली हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप पेटू (अति भोजनकर्त्ता) हैं। आप मात्र स्वादिष्ट व्यंजनों के ही भोज्य प्राप्त नहीं करती बल्कि आप सदैव ही दूसरों को भी उत्तम प्रकार की भोज्य सामग्री का आदान-प्रदान करती हैं।

आप सदैव अपने संबंधित मित्रों को पहले ही यह दिखाना चाहती हैं कि मेरा जीवन साथी आकर्षक है। यद्यपि प्रमाणित है कि आप अपने पति से बहुत अधिक और अच्छी प्रकार संलग्न है। तथापि आपका चरित्र संदेहास्पद है। आप किसी अन्य के साथ चालाकी से प्रेम संबंध कर सकती तथा आप प्रसन्न रहोगी। आज तक आपका पारिवारिक जीवन बहुत उत्तम है, क्योंकि आप अपने परिवार पर पूर्ण रूपेण ध्यान देती हैं तथा आप उन्हें अत्यधिक प्रेम संपर्क में रखती हैं। आप शांति पूर्वक आनंददायक घरेलू जीवन बिताना चाहती हैं।

परंतु धन के प्रति आपका विशेष (लोभ) प्यार है एवं चिंतन करती हैं। आप चाहती है कि आपके कोष में बहुत धन हो और ऐसा कर भी सकती हैं। आप कदापि धन का अपव्यय नहीं करती क्योंकि आपकी प्रवृत्ति कृपण जैसी है आप धन का मूल्य (महत्व) जानती हैं। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि आप असंयमित नहीं है और अपव्यय भी नही करती तथा जीवन पर्यंत धन संचय करेंगी।

आप मध्यम कद की कुछ-कुछ गोल-मोल मोटी गर्दन तथा चौड़ी एवं उन्नत ललाट से युक्त हैं। आप गौरवर्ण की हैं। आप स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु आपको गले के संक्रमण रोग एवं कंठ रोग के प्रति सतर्कता पूर्ण रक्षण करना चाहिए।

आपकी आयु वृद्धि के साथ कब्जियत एवं अतिरिक्त प्रवाह रोग से आप दुःखी रहेंगी। आप किसी भी प्रकार की अत्यधिकता पूर्ण आकांक्षाओं के प्रति सचेत रहकर, एवं जीवनचर्या की उस प्रवृत्ति को परिवर्तित कर अपना स्वास्थ्य पूर्ण जीवन के नियमों का अनुपालन कर आगे की जिंदगी को सुखी रखने की प्रवृत्ति का प्रारंभ करेंगी।

बृष राशीय प्रभाव से आपका पारिवारिक जीवन शांति प्रिय एवं सुखी रहेगा। आपको कन्या, कर्क, मीन, वृश्चिक एवं मकर जलीय राशि के व्यक्ति के साथ संपर्क रखना अनुकूल है।

आपके लिए अनुकूल कर्म क्षेत्र विस्तृत है। आप किसी कार्य व्यवसाय का चयन अपने लिए कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त विलासिता संबंधी व्यवसाय, सिनेमा, ट्रांसपोर्ट, जल रानी, अर्थात् जलीय वैदेशिक व्यवसाय, खनिज एवं भवन निर्माण संबंधी ठेकेदारी ईंट, तांबा एवं लौह व्यवसाय, तकनीकी कार्य अभियांत्रिक अथवा प्रशासनिक सेवा से संबंधित कार्य एवं फिल्म में भूमिका आदाकारी अथवा गुप्तचर विभाग की सेवा से संलग्न हो सकती हैं।

आपके लिए अनुकूल एवं उन्नतिकारक अंक 2 एवं 8 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 7 एवं 9 अंक आपके लिए आकर्षक अंक है। अंक 1, 3 एवं 4 अंक भी आपके लिए अनुकूलता दायक है। परंतु अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग, उजला हरा एवं गुलाबी रंग है। आपके लिए लाल रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा त्यागनीय है।

अंक ज्योतिष फल

Mr.

आपका जन्म दिनांक 14 है। एक एवं चार के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। एक अंक का सूर्य तथा चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह है। इन सभी ग्रहों का न्यूनाधिक मात्रा में आपके ऊपर प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी बुध के प्रभावश आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार मार्ग का चुनाव करना अधिक पसन्द करेंगे। रोजगार आप ऐसा चुनेंगे, जहाँ लेखा, लेन-देन, वाणिज्य, यांत्रिकी जैसे कार्य संपादित हों। फैक्ट्री, कम्पनी, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुध वाणी का दाता है। सूर्य प्रसिद्धि का, हर्षल परिवर्तन का। अतः आपके अंन्दर वाक् पटुता, बुद्धि-विवेक अच्छा रहेगा एवं आपकी सामाजिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। मूलांक के प्रभाव से आपकी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ परिवर्तनशील रहेंगी एवं परिवर्तन करते रहना आपको अच्छा लगेगा।

परिवर्तनशील गुण होने से आपके विचारों में समयानुसार, अवस्थानुसार बदलाव आता रहेगा। जो कि आपकी अन्तिम अवस्था तक चलेगा। इस क्रिया का अन्त में आपको लाभ अच्छा मिलेगा और आपका यश, नाम इत्यादि दीर्घकाल तक याद किया जाता रहेगा। आप अपनी कमियों का निरन्तर निरीक्षण करते रहेंगे तो निश्चित ही आप उक्त ग्रहों के प्रभाववश एक सफल व्यक्तित्व के धनी हो जायेंगे।

Ms.

आपका जन्म दिनांक 14 है। एक एवं चार के योग से आपका मूलांक पाँच होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। एक अंक का सूर्य तथा चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह है। इन सभी ग्रहों का न्यूनाधिक मात्रा में आपके ऊपर प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी बुध के प्रभाववश आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार मार्ग का चुनाव करना अधिक पसन्द करेंगी। रोजगार आप ऐसा चुनेंगी जहाँ लेखा, लेन-देन, वाणिज्य, यांत्रिकी जैसे कार्य संपादित हों। फैक्ट्री, कम्पनी, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुध वाणी का दाता है। सूर्य प्रसिद्धि का, हर्षल परिवर्तन का। अतः आपके अंन्दर वाक् पटुता, बुद्धि-विवेक अच्छा रहेगा एवं आपकी सामाजिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। मूलांक के प्रभाव से आपकी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ परिवर्तनशील रहेंगी एवं परिवर्तन करते रहना आपको अच्छा लगेगा।

परिवर्तनशील गुण होने से आपके विचारों में समयानुसार, अवस्थानुसार बदलाव आता रहेगा। जो कि आपकी अन्तिम अवस्था तक चलेगा। इस क्रिया का अन्त में आपको लाभ अच्छा मिलेगा और आपका यश, नाम इत्यादि दीर्घकाल तक याद किया जाता रहेगा। आप अपनी कमियों का निरन्तर निरीक्षण करती रहेंगी तो निश्चित ही आप उक्त ग्रहों के

प्रभाववश एक सफल व्यक्तित्व की धनी हो जायेंगी।

Mr.

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Ms.

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है, अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकती हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचिपूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगी। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।